डॉन और डॉना ने की बल्लेबाज़ी

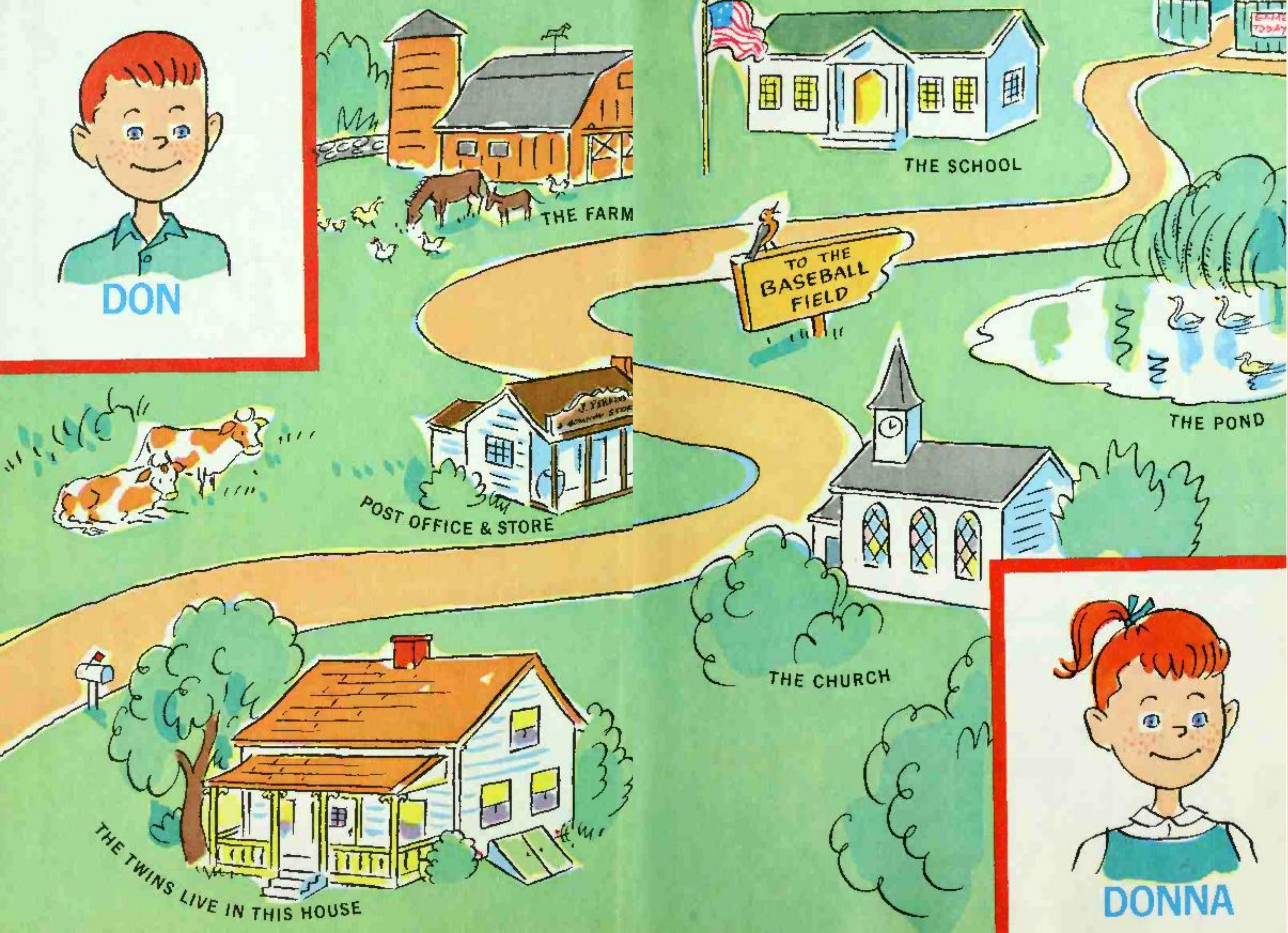


लेखनः एल पार्किन्स

चित्रः बी. टोबी

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा




DON
THE FARM
THE SCHOOL
TO THE BASEBALL FIELD
THE POND
POST OFFICE & STORE
THE CHURCH
THE TWINS LIVE IN THIS HOUSE
DONNA

डॉन और डॉना ने की बल्लेबाज़ी



लेखनः एल पार्किन्स

चित्रः बी. टोबी

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

डेनिस, डगलस और डेरिक को



डॉन और डॉना जुड़वाँ थे।

डॉन लड़का था।

डॉना लड़की।

दोनों का कद एक बराबर था।

उनकी आवाजें बिलकुल एक-सी थीं।

दोनों की आँखें नीलीं, बाल लाल और . . .

दोनों के चेहरों पर झाइयों की संख्या भी समान थी।

पूरी 23 ।

डॉन लडकों के कपड़े पहनता था

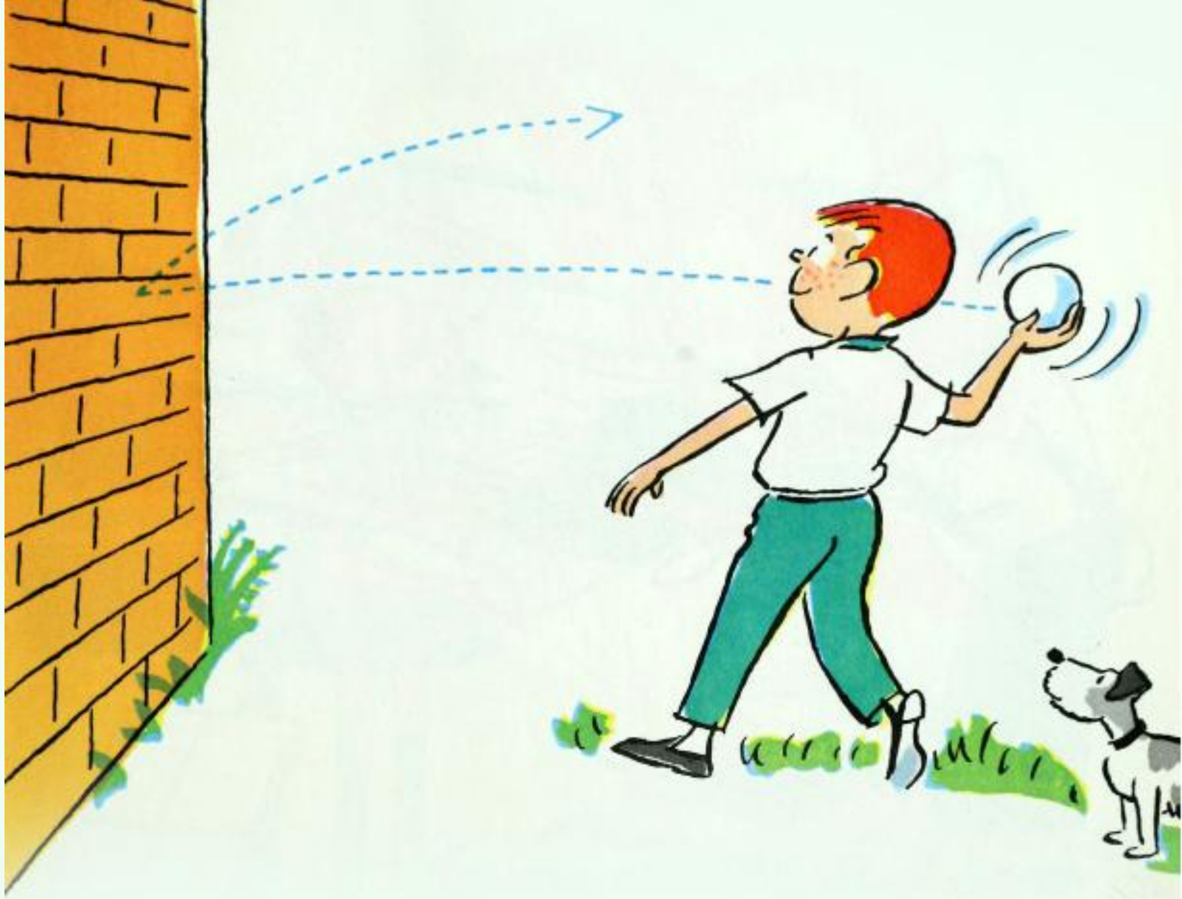
और उसके बाल छोटे थे।

डॉना लड़कियों के कपड़े पहनती थी

और उसके बाल लम्बे थे।

बस इसीसे उनमें फर्क किया जा सकता था।





डॉन को बेसबाल से प्यार था।

वह हर दिन घर के बाहर जाता

और अपनी गेंद दीवार पर मारता।



वह यह नाटक करता मानो वह ऐसा बल्लेबाज़ है

जिसने गेंद को ज़बरदस्त ज़ोर से पीटा हो।

तब वह दौड़ता और

फिसलता हुआ बेस तक पहुँच जाता।



डॉन के जन्मदिन पर

उसकी जुड़वाँ बहन ने उसे एक शानदार तोहफ़ा दिया।

उसने डॉन को एक असली बेसबॉल की पोशाक,

एक गेंद, एक बल्ला, दस्ताना और

एक बेसबॉल की टोपी दी।

डॉन बेहद खुश हुआ,
इतना खुश कि वह अपने ताहफ़ों को
हर रात सोते वक़्त
अपने साथ ले सोता।





वह हमेशा सपना देखता कि वह
एक असली बेसबॉल टीम में खेल रहा है।

कई दूसरी लड़कियों की तरह
डॉना को बेसबॉल खेलना नहीं आता था।
सो डॉन ने उसे
खेलना सिखाया।





डॉना जल्द ही अपने भाई
जितनी फुर्ती से दौड़ने लगी।





डॉन ने उसे लड़कों की तरह
गेंदबाज़ी करना सिखाया।

उसने सिखाया कि बेस तक
फिसल कर कैसे पहुँचा जाता है।



उसने डॉना को बल्ला
थामना सिखाया

...और प्लेट पर खड़े
होना भी।



पर डॉना को बल्लेबाज़ी पसन्द नहीं थी।
जब उसका भाई
उसकी ओर गेंद फेंकता . . .



. . . उसे बेहद डर लगता
और उसके घुटने कांपते।

वह अपनी आँखें कस कर मींच लेती
और तब बल्ले को
गेंद पीटने के लिए घुमाती।

और अमूमन चूक जाती

पर उसे डॉन के लिए
गेंदबाज़ी करना पसन्द था
और गेंद लपकना या उसके पीछे दौड़ना भी।



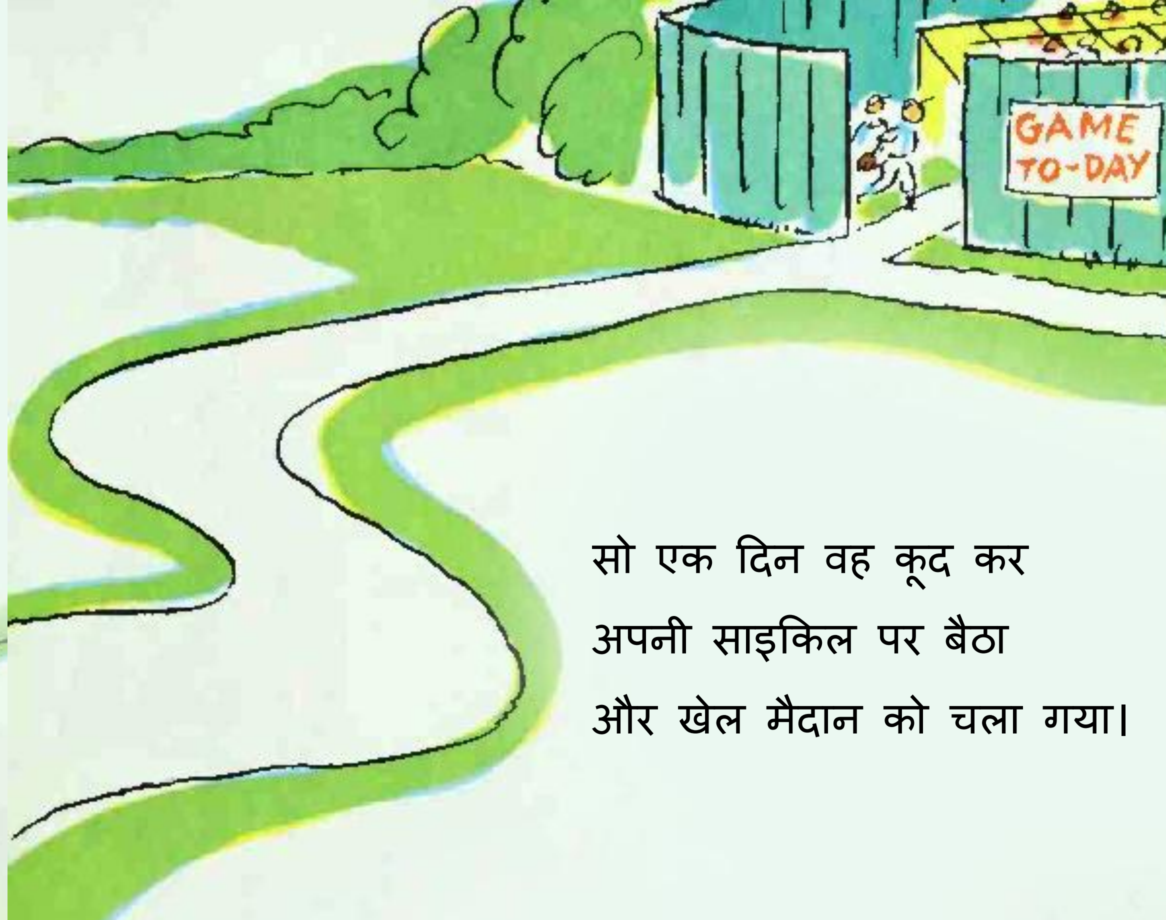


ख़ासकर जब वह गेंद
को डॉना के सिर से भी
ऊँचे पहुँचा देता था।

hit it far over her head

पर कुछ समय बाद डॉना के साथ
बल्लेबाज़ी से डॉन तंग आने लगा।
वह लड़कों के साथ खेलना चाहता था।
वह एक असली टीम में,
एक असली खेल खेलना चाहता था।





सो एक दिन वह कूद कर
अपनी साइकिल पर बैठा
और खेल मैदान को चला गया।

वह डॉना को
घर छोड़ गया,
निपट अकेले।



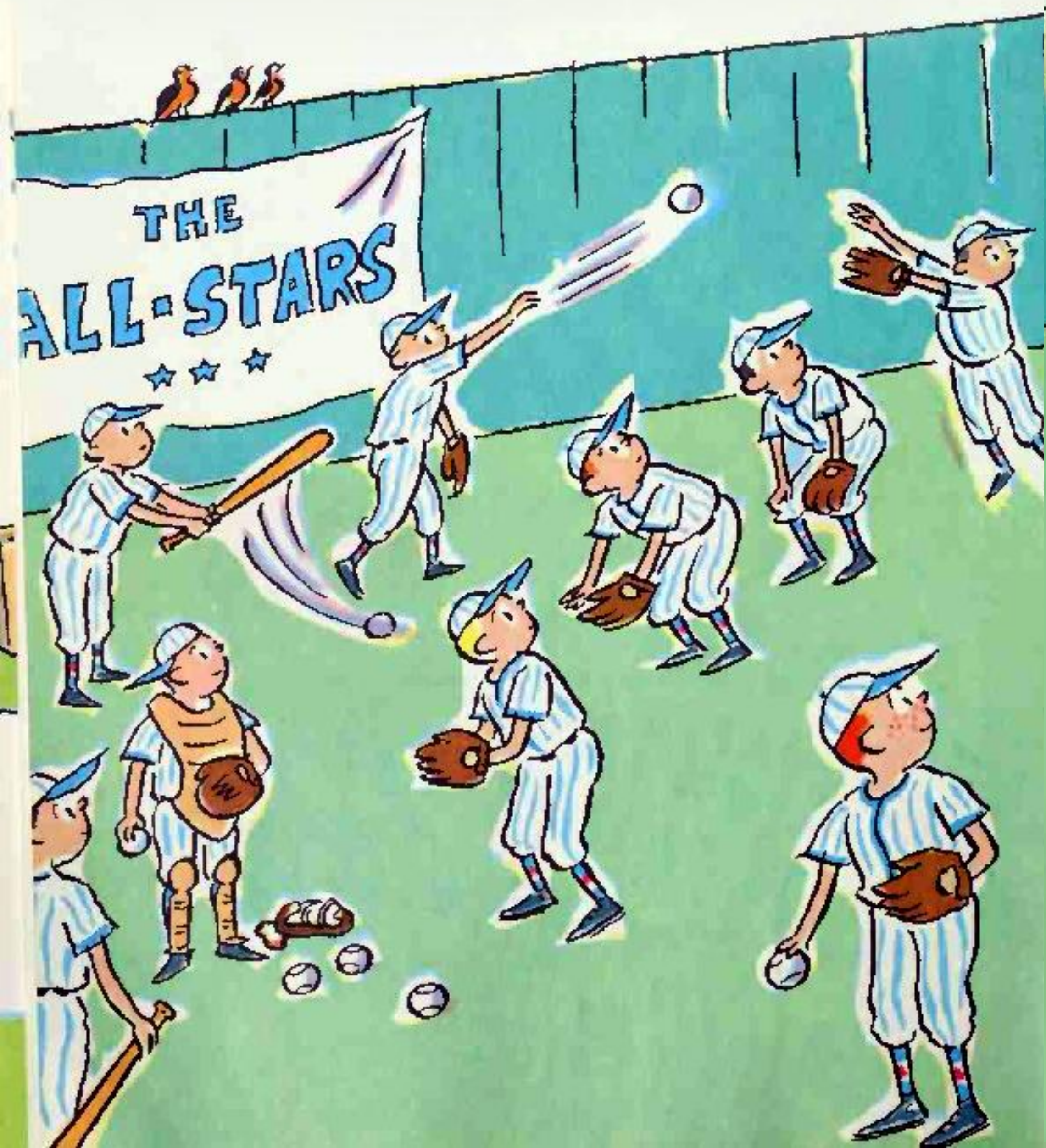


बाद में जब वह घर लौटा,
वह बेहद खुश और उत्साह में था।
डॉना ने पूछाः
''क्या लड़कों ने तुम्हें
अपने साथ खेलने दिया?''

''बेशक खेलने दिया,'' डॉन ने कहा।
''और उन्होंने मुझे अपनी टीम का
कप्तान भी बना दिया है।
हमारी टीम ऑल-स्टारस् कहलाती है।
मैं हर दिन
उनके साथ खेलने जाऊंगा।''



सो अब डॉन हर दिन
अपनी टीम के साथ अभ्यास करने जाने लगा।
तब एक दिन शहर के दूसरे हिस्से
की एक टीम आ हाज़िर हुई।



''हम रेड़स् हैं,'' उन्होंने कहा।
''हम तुम्हारी टीम के ख़िलाफ खेलना चाहते हैं।
नलसाज़ मिस्टर वॉल्टर स्मिथ
जीतने चाली टीम के कप्तान को
एक बड़ा-सा चाँदी का कप इनाम में देंगे।''





पर जिस सुबह यह बेहद महत्वपूर्ण
मैच खेला जाना था
डॉन भयानक सर्दी-जुकाम के साथ जागा।
डॉक्टर आए और बोले
“आज तुम कतई बेसबॉल नहीं खेलोगे जनाब।”

“तुम यहीं बिस्तर पर पड़े रहोगे।”



डॉन का तो दिल ही टूट गया।
डॉना का भी।



"तुम मेरी साइकल पर सवार हो
मेरा सारा सामान खेल मैदान ले जाओ,"
डॉन ने डॉना से कहा। "शायद दूसरे लड़कों में
कोई उसका इस्तमाल कर सके।"



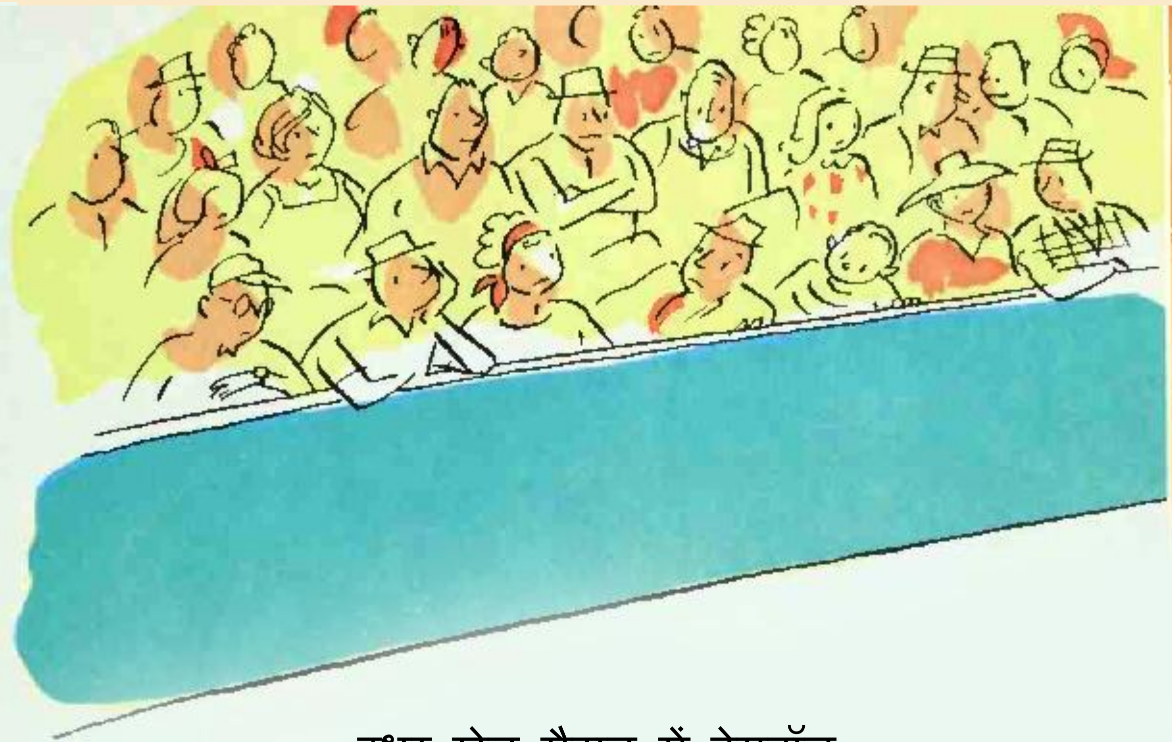
सो डॉना सारा सामान बाहर ले आई
और साइकिल की छोटी-सी
टोकरी में उसे रखने की कोशिश की।
पर टोकरी बहुत छोटी थी।
सब कुछ बिखर कर
धरती पर जा गिरा।



तब डॉना को एक ख़याल सूझा!
उसने डॉन की बेसबॉल पोशाक को
अपने कपड़ों के ऊपर पहन लिया।
डॉन की बेसबॉल टोपी
अपने बालों के ऊपर चढ़ाई।
इस तरह वह सब कुछ ले जा सकती थी।



अब वह बिलकुल डॉन जैसी लगने लगी।
डॉन जैसा लगता था, उससे भी ज़्यादा डॉन जैसी!
पर उसे यह पता नहीं था।



इधर खेल मैदान में बेसबॉल
का खेल शुरू हो चुका था।
“भला डॉन कहाँ है?” सब पूछने लगे।
“वह यहाँ मौजूद क्यों नहीं है?”





जब डॉना खेल मैदान पहुँची
सबने सोचा डॉन आ गया है।
उन्होंने खुशी जताई और तालियाँ बजाईं।
डॉना को कुछ बताने-कहने का समय ही नहीं मिला।



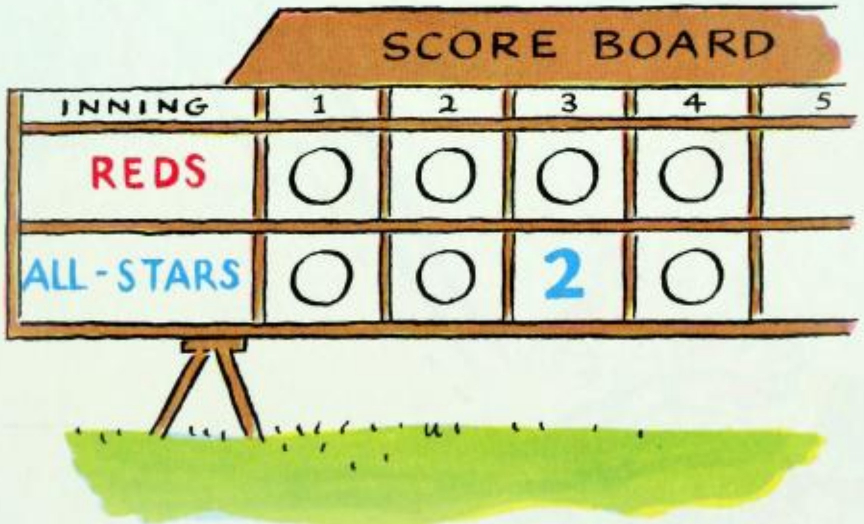
"डॉन तुम देर से आए हो!"
अम्पायर ने डाँट लगाई।
"वहाँ जाओ
अपनी टीम के पास!
जाओ और बल्लेबाज़ी करो!"

डॉना प्लेट पर गई।
वह बेहद घबराई हुई थी।
उसने अपनी आँखें ज़ोर से बन्द कीं,
और गेंद की ओर बल्ला घुमाया।
पर वह बल्ला गेंद से लगा ही नहीं!



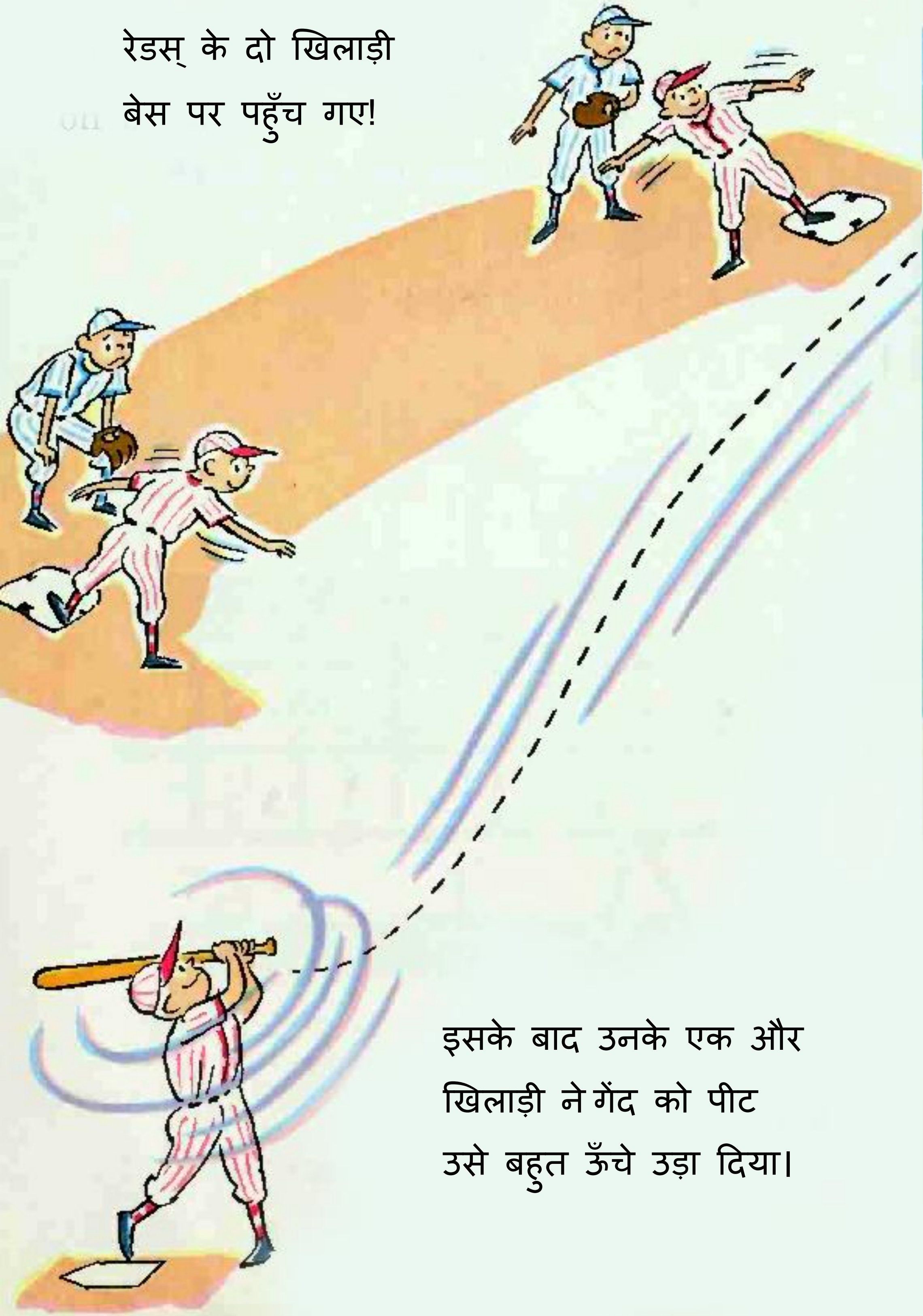
तीन बार उसने गेंद को पीटने की
कोशिश की पर कामयाब नहीं हुई।
और वह बल्लेबाज़ी से बाहर हो गई।

पर इससे खास फर्क न पड़ा
क्योंकि ऑल-स्टारस् की टीम
पहले ही कुछ आगे थी
उसका स्कोर था 2 और रेडस् का 0 ।



खेल आगे बढ़ा,
पर तब कुछ बहुत बुरा हुआ।

रेडस् के दो खिलाड़ी
बेस पर पहुँच गए!



इसके बाद उनके एक और
खिलाड़ी ने गेंद को पीट
उसे बहुत ऊँचे उड़ा दिया।

गेंद आकाश में ऊपर, बहुत ऊपर गई।



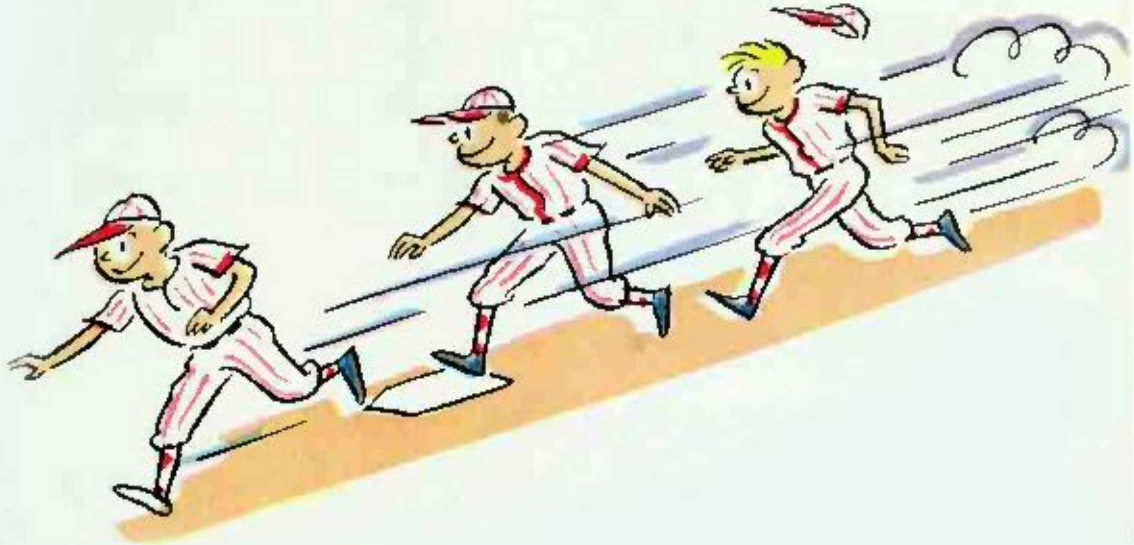
डॉना उसे पकड़ने दौड़ी . . .

...पर सूरज
उसकी आँखें पर पड़ा।

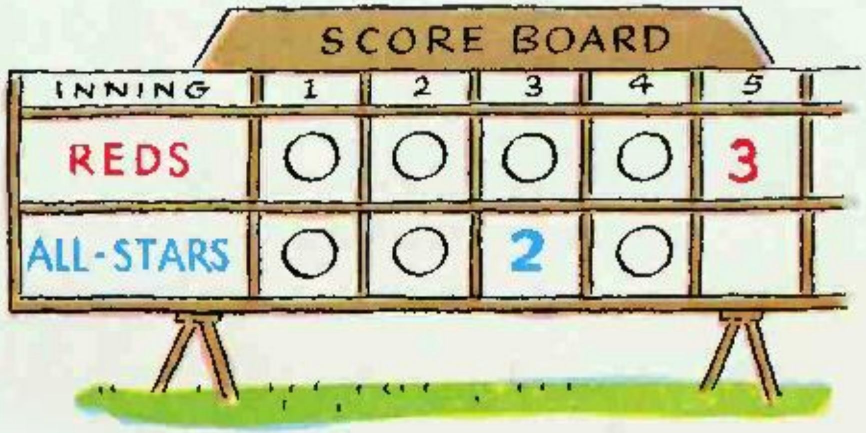


उसे गेंद नज़र ही
नहीं आई।

गेंद पकड़ने के बदले
डॉना से गेंद ज़मीन पर गिर गई!



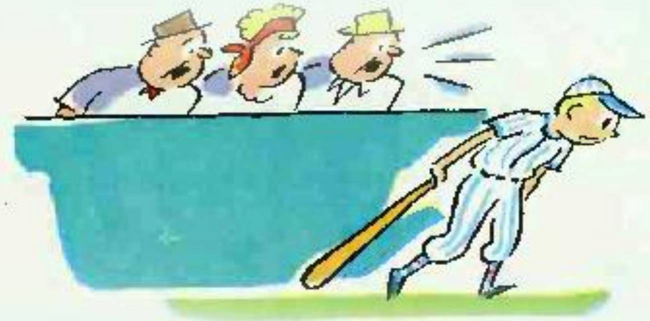
डॉन की गलती की वजह से
रेडस् ने तीन रन बना लिए।



डॉना की गलती की वजह से
रेडस् अब एक रन से आगे थे।



कुछ मिनटों के बाद,
खेल खत्म ही होने को था।
यह आखिरी इनिंग थी।
ऑल-स्टारस् के लिए आख़िरी मौका।
ऑल-स्टारस् का पहला बल्लेबाज कुछ न कर पाया
भीड़ ने नापसंदगी से शोर मचाया।



दूसरा ऑल-स्टार बल्लेबाज़ भी नाकामयाब रहा।
भीड़ ने और ज़्यादा शोर मचाया।



तब तीसरे ऑल-स्टार बल्लेबाज़ ने गेंद को पीटा
और वह पहले बेस की ओर दौड़ा।



ऑल-स्टारस् अब जीत भी सकते थे
...बशर्ते अगला बल्लेबाज़ भी गेंद को पीट सके।

पर अगली बल्लेबाज़ डॉना थी!

अब तो वह और भी सहमी हुई थी।

वह जानती थी कि गेंद को पीटना

उसके बस का नहीं था।

वह जानती थी कि

ऑल-स्टारस् हार जाएंगे,

महज इसलिए कि उसने बताया नही था कि वह लड़की थी।

फिर भी वह प्लेट पर खड़ी हुई।



गेंदबाज़ ने गेंद फेंकी

जो सीधे डॉना के सिर के ओर आई।

डॉना झुकी, उसने आँखें बन्द कीं

और बल्ला घुमाया।



बल्ला न जाने कैसे गेंद से टकराया।
या शायद गेंद ही बल्ले से टकराई हो।
और गेंद उड़ चली।

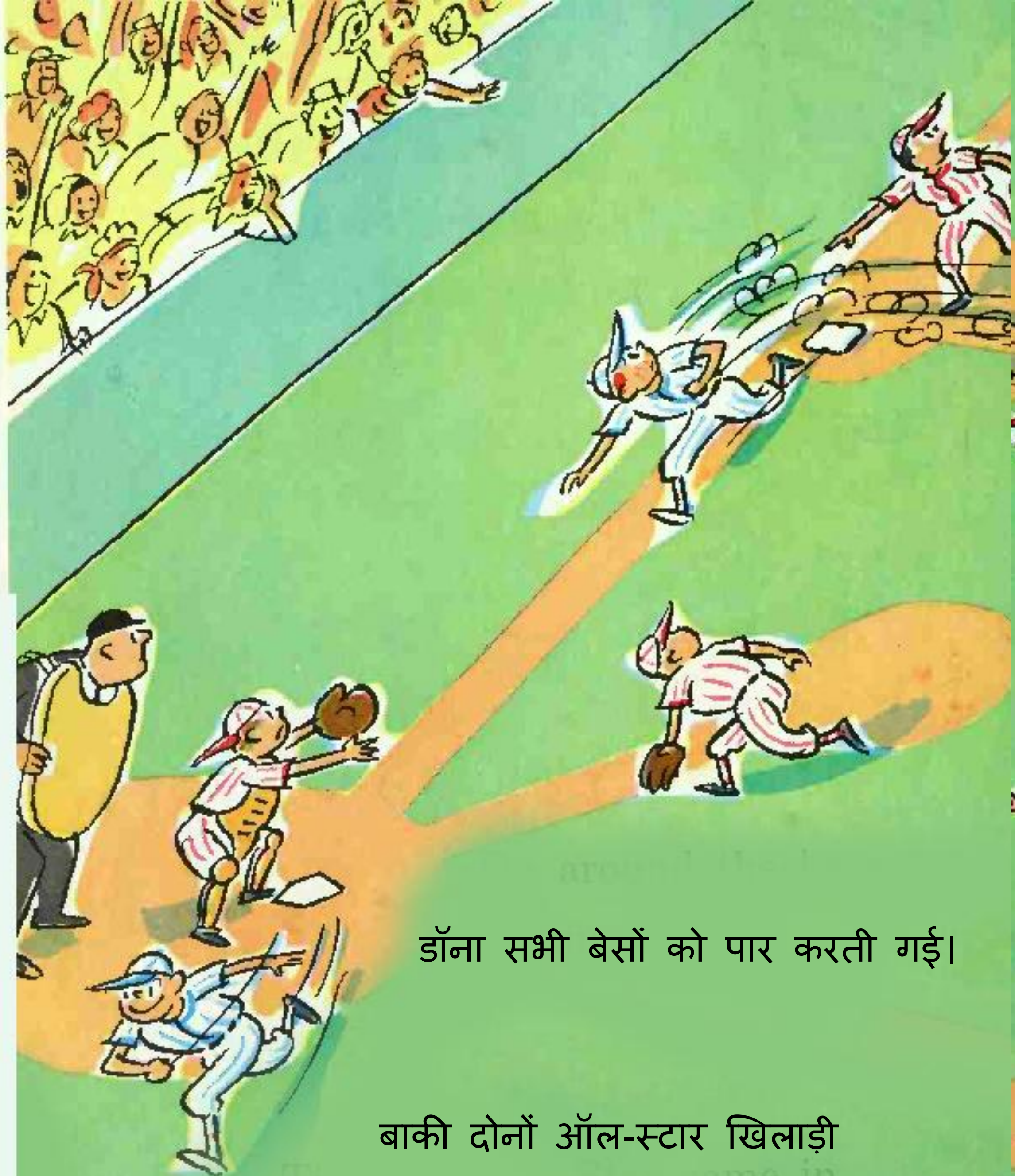
“दौड़ो डॉन, दौड़ो!” भीड़ चीखी।
“डॉन?” डॉना ने सोचा।

“ओह! उनका मतलब मुझसे है!” सो वह दौड़ी।
वह पहले कभी जितनी तेज़ दौड़ी थी
उससे भी ज़्यादा तेज़ी से।



वह पहले बेस की ओर दौड़ी और बाकी
दो ऑल-स्टार खिलाड़ी दूसरे बेस की ओर।
“दौड़ो!” भीड़ फिर चिल्लाई।





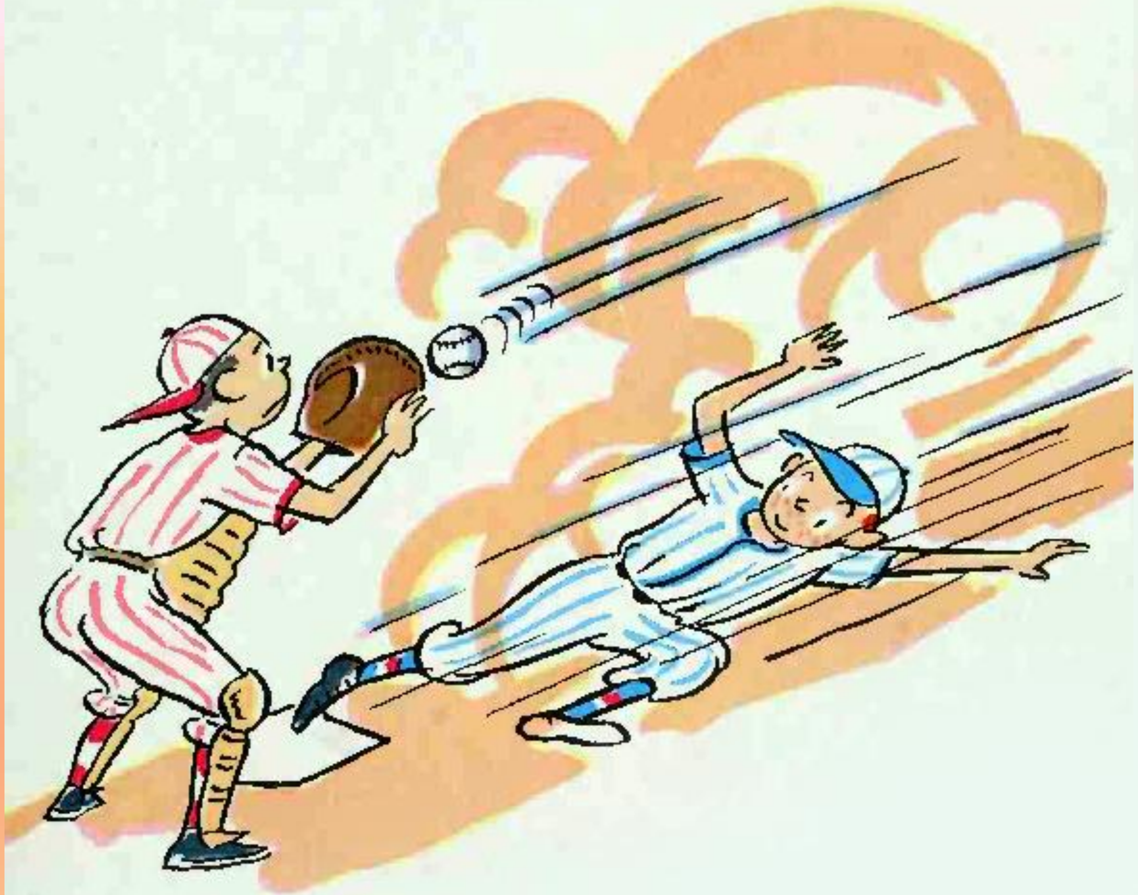
डॉना सभी बेसों को पार करती गई।

बाकी दोनों ऑल-स्टार खिलाड़ी
होम प्लेट पर पहुँच गए।
अब स्कोर बराबर हो चुका था . . .
दोनों टीमें अब 3 - 3 पर थीं।



पर क्या डॉना भी वहाँ पहुँच सकती थी?
रेडस् का बायां फील्डर
गेंद उठा चुका था।
वह उसे होम प्लेट की ओर फेंकने ही वाला था।
डॉना को गेंद के पहले
वहाँ पहुँचना था।

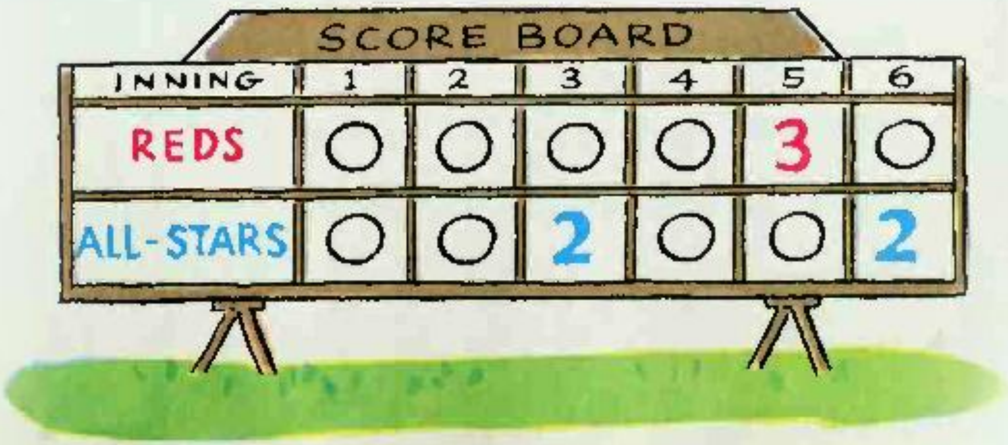
"फिसलो!" सब चिल्लाए।



डॉना फिसली - ठीक उस तरह
जैसा उसके भाई ने उसे सिखाया था।



"सुरक्षित!" अम्पायर ने फैसला सुनाया।
"हुर्रे!" दर्शक चीखे।
डॉना ने ऑल-स्टार के लिए
जिताने वाला रन जो बना लिया था।



टीम के खिलाड़ी डॉना के गिर्द घिर आए।
वे हंस रहे थे, जोश में चिल्ला रहे थे।



पर डॉना हंस नही रही थी।
उसे डर था कि कोई उसकी टोपी
उतार लेगा और सब को पता चल जाएगा
कि वह लड़की है।

वह अपने हाथों और घुटनों को टेक नीचे झुकी
और खिलाड़ियों के बीच से सरक गई।



वह जस-तस डॉन की साइकिल पर कूदी
और घर के लिए चल पड़ी।



पर भीड़ ने उसे जाते देख लिया।
“देखो! डॉन जा रहा है।”
भीड़ ने चीख कर कहा।
वे सब डॉना के पीछे दौड़े।

जैसे ही वह घर पहुँची
डॉना सीधे तहखाने में जा छिपी।



भीड़ पीछा करते घर में घुसी।

''हमें डॉन चाहिए!'' वे ज़ोर से बोले।



''मैं यहाँ ऊपर हूँ!'' डॉन बोला।

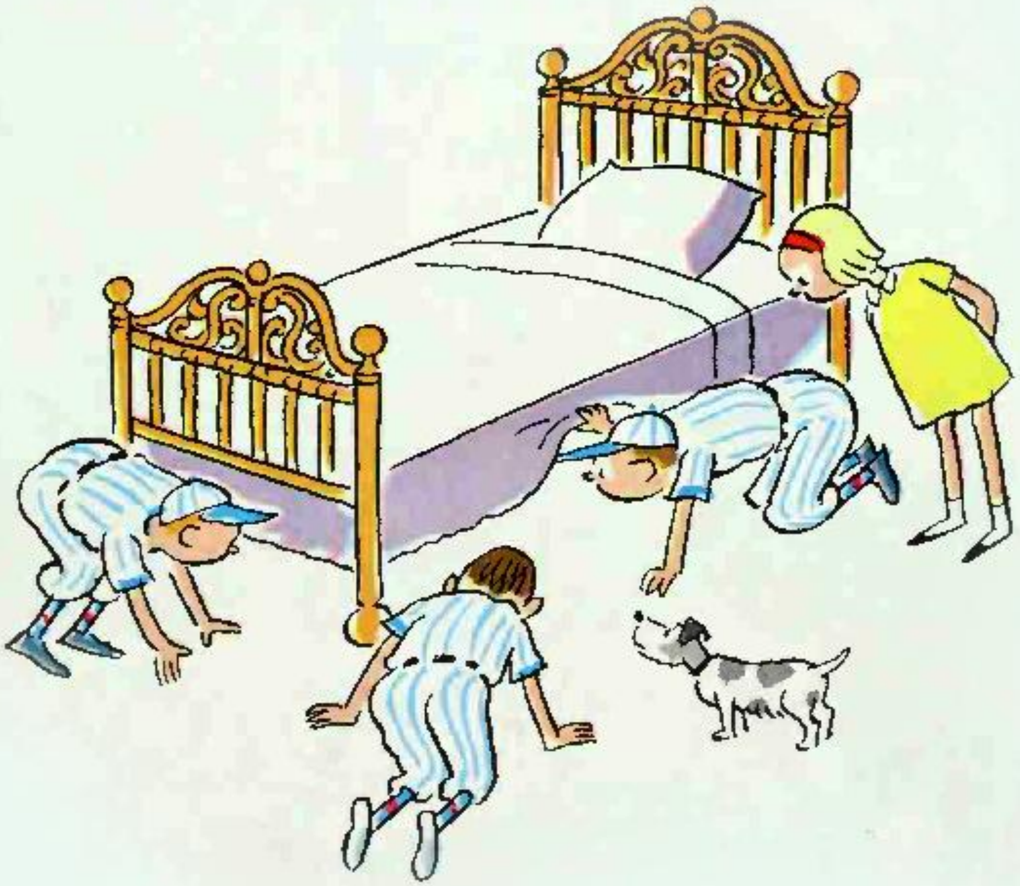
डॉन उन्हें ऊपर बिस्तर पर लेटा मिला।
उन्होंने सोचा कि वह खेल कर
थक गया है।

नलसाज़ मिस्टर वॉल्टर स्मिथ ने
डॉन को वह खूबसूरत रुपहला कप थमाया।
डॉन चाहता तो वह सबको यह सोचने दे सकता था
कि खेल उसने ही जीता है।
पर उसने सच कहा।
''मैं तो दिन भर यहीं था,'' वह बोला।
''वह ज़रूर डॉना रही होगी,
जिसने खेल जीता होगा।''
''वह है कहां?''



अब सब डॉना को तलाशने लगे।

उन्होंने पलंग के नीचे देखा।



दरवाज़ों के पीछे खोजा।



परदों के पीछे झांका।





आख़िरकार उन्हें डॉना मिल गई . . .

. . . वह तहखाने की अल्मारी में छिपी थी।

उन्होंने डॉना को बाहर घसीटा,

और नलसाज़ मिस्टर वॉल्टर स्मिथ ने

उसे वह बड़ा-सा, खूबसूरत रुपहला कप दिया।



पर सिर्फ इतना ही नहीं हुआ . . .
ऑल-स्टारस् ने डॉना को
अपनी टीम का मैनेजर बना दिया।



अब उसे बल्लेबाज़ी नहीं करनी पड़ती,
पर वह हर खेल में जाती है।
सब कुछ की ज़िम्मदारी अब उस पर है।

वह सब कुछ की देखभाल करती है . . .
बेसबॉल के सारे बल्लों की . . .



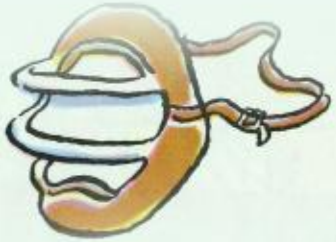
बेसबॉल की सारी गेंदों की . . .





. . . और सारे बेसबॉल दस्तानों की . . .

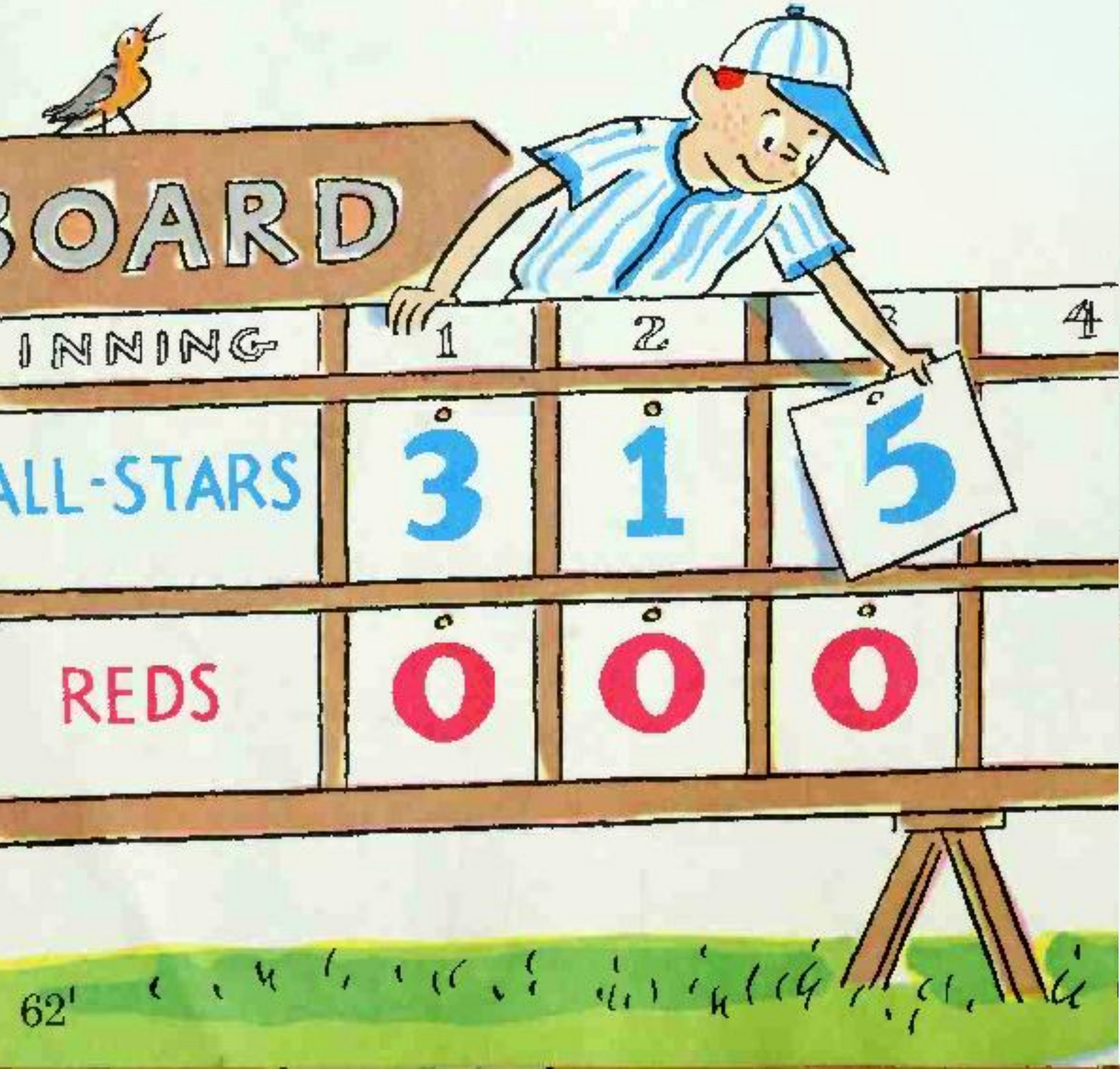
. . . गेंद पकड़ने वाले
के मुखौटे की . . .



. . . और पानी की
बाल्टी की भी . .
.



डॉना सभी खेलों में स्कोर भी रखती है।

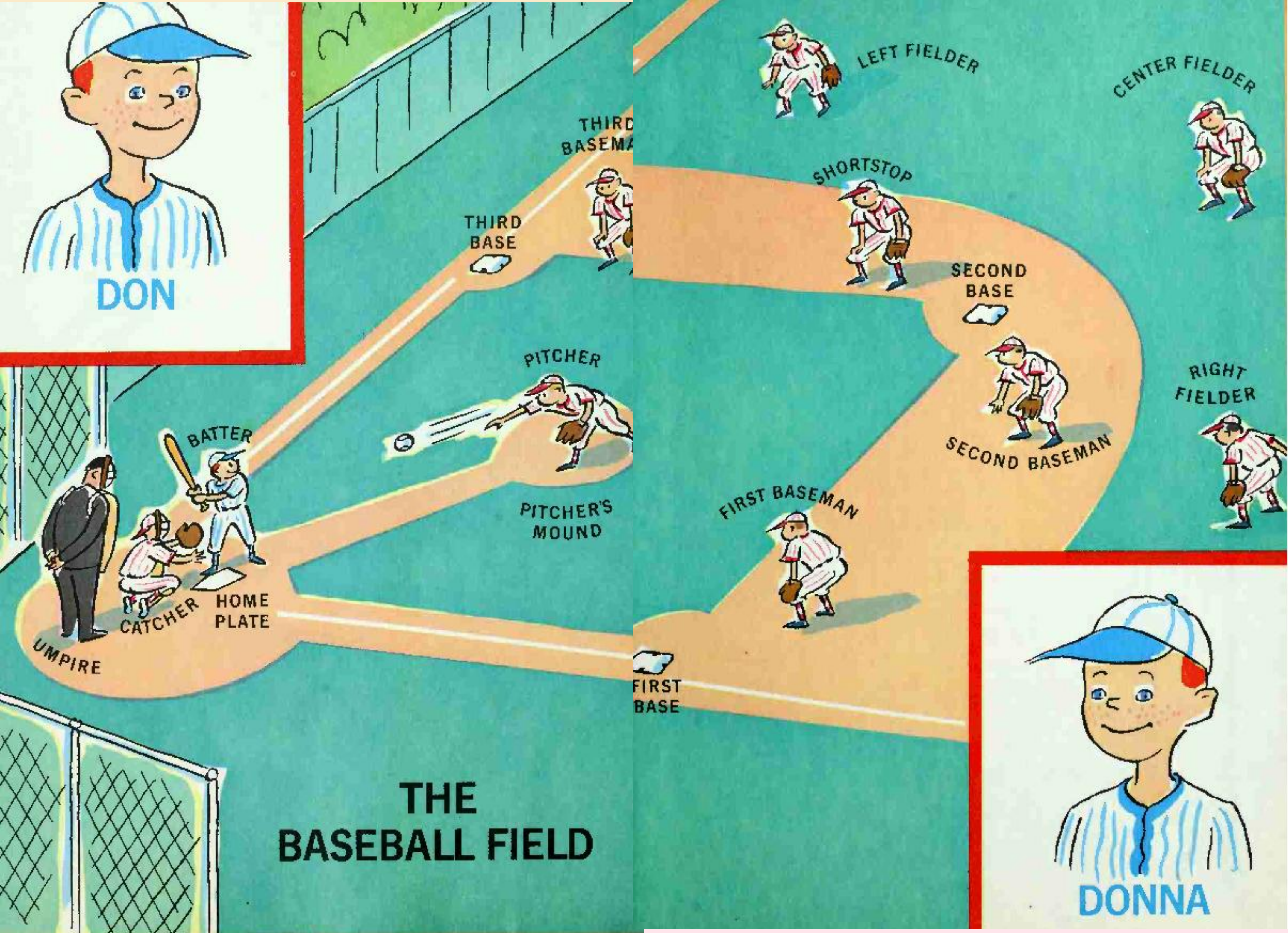


ऑल-स्टारस् और-और बड़े और
खूबसूरत कप जीतते जाते हैं।



इस साल उन्होंने
पूरे 23 कप जीते हैं . . .
यह वही संख्या है
जो डॉन और डॉना की झांइयों की है!


TO
BASEBALL
FIELD


DON
THIRD BASEMA
THIRD BASE
PITCHER
BATTER
PITCHER'S MOUND
UMPIRE
CATCHER
HOME PLATE
THE BASEBALL FIELD
LEFT FIELDER
CENTER FIELDER
SHORTSTOP
SECOND BASE
RIGHT FIELDER
SECOND BASEMAN
FIRST BASEMAN
FIRST BASE
DONNA